(ख) इस काम के लिये कितनी क्षय-रोग आरोग्यशालायें और केन्द्रीय अस्पताल चल रहे हैं ;

(ग) वर्ष १९५६–५७ और चालू वर्ष में अब तक इन में कितने मजदूरों का इलाज किया गया ; और

(घ) इन अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या सीमित होने के कारण कितने क्षय-रोग से पीड़ित मजदूरों को भर्ती नहीं किया जा सका ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) और (ख). कोयला खान श्रम कल्याण फंड संस्था द्वारा झरिया और रानीगंज कोयला क्षेत्रों में बारह-बारह पलंगों के दो क्षय-रोग औषधालय चलाये जा रहे हैं । इसके अलावा, संस्था ने विभिन्न क्षय-रोग आरोग्यशालाओं/अस्पतालों में ६२ पलंग रक्षित कराये हैं ।

(ग) जितने मजदूरों और उनके आश्रितों का क्षय-रोग आरोग्यशालाओं और औषधालयों में इलाज किया गया उनकी संख्या नीचे दी जाती है :—

	१९५६	(नवम्बर, १९५७ तक)
१. संस्था के क्षयरोग औषधालयों में	१५१	१०२
२. क्षयरोग आरोग्यशालाओं / अस्पतालों में जहां कि संस्था ने पलंग रक्षित कराये हैं ।	६७	६७

(घ) लगभग १२०० ।

खली

१९२७. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि खली से तेल निकाल लेने के पश्चात् जो रद्दी अंश शेष रहता है उसका कारखानों में किस प्रकार उपयोग किया जाता है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : खली से तेल निकालने के बाद कारखाने उसे इस्तेमाल नहीं करते । लेकिन तेल रहित खल, को खाद के रूप में प्रयोग किया जाता है तथा निर्यात किया जाता है । इन खलियों को जानवरों के खिलाने के काम मे भी लाया जा सकता है बशर्ते कि इनमें से तेल निकालते समय घोलक पदार्थ के रूप में बढ़िया किस्म का "हैक्सीन" तथा "हैप्टेन" प्रयोग किया जाये ।

एसबेस्टस सीमेंट की चादरें

१९२८. श्री रा० रा० मिश्र : क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एसबेस्टस सीमेंट की चादरें बनाने के लिये विदेशों से क्या-क्या कच्चा माल मंगाना पड़ता है; और

(ख) इस कच्चे माल को देश में प्राप्त करने के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) एसबेस्टस सीमेंट की चादरें बनाने के लिये विदेशों से सिर्फ कच्चा एसबेस्टस मंगाना पड़ता है ।

(ख) देश में जिस किस्म का कच्चा एसबेस्टस मिलता है, वह एसबेस्टस सीमेंट की चादरें बनाने के लिये पूरी तरह ठीक नहीं है । वैज्ञानिक गवेषणा परिषद् (हैदराबाद) देश में मिलने वाले एसबेस्टस का प्रयोग किये जा सकने की जांच पड़ताल कर रही है । कलकत्ते में एसबेस्टस सीमेंट का संयंत्र स्थापित करने की एक योजना हाल ही में मंजूर की गयी है । इस योजना में कुछ आयातित कच्चा माल मिला कर देश